दर में वृद्धि और केन्द्रीय उत्पाद शुल्कों और रेल भाड़े में वृद्धि के कारणों को भी शामिल करते हुये विभिन्न कारकों के कारण आदान लागतों में वृद्धि को निष्क्रिय करने के लिये अपने मूल्य बढ़ाते हैं।

(घ) 16-1-1992 से लोहे तथा इस्पात के मूल्य और वितरण पर से नियंत्रण समाप्त कर दिये जाने के पश्चात सरकार का इस्पात के मूल्य पर कोई नियंत्रण नहीं है। तथापि, सरकार द्वारा किये गये विभिन्न उपायों के परिणाम-स्वरूप स्वदेशी इस्पात उत्पादक अपने मूल्यों को बढ़ने नहीं देंगे। इन उपायों में कुछ निम्नानुसार हैं :

(i) लोहे तथा इस्पात के आयात के लिये अब मुक्त रूप से अनुमति दे दी गयी है और लोहे तथा इस्पात की अधिकांश मदों पर से सीमा-शुल्क को कम कर दिये जाने से इन मदों की उतराई लागत भी घट गयी है।

(ii) लोहे तथा इस्पात उद्योग को लाइ-सेंस मुक्त कर दिये जाने तथा लोहे और इस्पात के मूल्यन और वितरण पर से नियंत्रण समाप्त कर दिये जाने से निजी क्षेत्र जो उद्योग में भारी प्रतिस्पर्धा करने में अग्रगण्य हैं, में नई क्षमताओं के सृजन में प्रोत्साहन मिलने की प्रत्याशा है।

कुद्रेमुख आयरन एंड स्टील कम्पनी

4551. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुद्रेमुख आयरन एंड स्टील कम्पनी द्वारा जुलाई, 1992 में आंध्र बैंक फाइनेंशियल सर्विसिज लिमिटेड में 45 करोड़ रुपये की राशि निवेश की गई थी;

(ख) यदि हां, तो उक्त राशि का निवेश करते समय इस राशि के वापस भुगतान के लिये क्या कार्यक्रम निश्चित किया गया था;

(ग) क्या उक्त फाइनेंशियल कम्पनी ने इस कार्यक्रम के अनुसार राशि वापस की थी ;

(घ) यदि नहीं, तो अभी तक कुल कितनी राशि वापस की गयी है ;

(ङ) क्या यह सच है कि कुद्रेमुख कम्पनी को इसके कारण घाटा होने की संभावना है ;

(च) यदि नहीं, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और क्या एक सरकारी कम्पनी के लिये राशि को ब्याज कमाने के लिये निवेश करना कानूनी दृष्टि से उचित है तथा यदि नहीं, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ; और

(छ) इस संबंध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) और (ख) कुद्रेमुख आयरन ओर कम्पनी लिमिटेड ने एक अनुसूचित बैंक आंध्रा बैंक के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी मैसर्स आंध्रा बैंक फाइनेंशियल सर्विसीज लिमिटेड (ए०बी०एफ०एस०एल०) के पास 90/91 दिन की अवधि के लिये अन्तर्निगमित जमा के रूप में 55 करोड़ रुपये जुलाई, 1992 में तीन किस्तों में 10 करोड़ रुपये, 15 करोड़ रुपये और 30 करोड़ रुपये निवेश किया।

(ग) और (घ) पुनर्भुगतान के लिये निर्धारित समय-सूची के अनुसार देय राशि में से मैसर्स ए०बी०एफ०एस०एल० ने केवल एक करोड़ रुपये का भुगतान किया।

(ङ) कुद्रेमुख आयरन ओर कम्पनी लिमिटेड द्वारा दी गयी सूचना के अनुसार मैसर्स ए०बी०एफ०एस०एल० ने कुद्रेमुख आयरन ओर कम्पनी लिमिटेड के बकाया अन्त-र्निगमित जमा के पुनर्भुगतान के लिये अपनी देनदारी की पुष्टि की है। अभिरक्षक के पास शेष मसर्स ए०बी०एफ०एस०एल०

की प्रतिभूतियों और परिसंपत्तियों को लौटाने हेतु कुद्रेमुख आयरन ओर कम्पनी लिमिटेड ने बम्बई स्थित विशेष अदालत में एक याचिका भी दायर की है ताकि के०आई०ओ०सी०एल० द्वारा मैसर्स ए०बी०एफ०एस०एल० से बकाया राशि की प्राप्ति की जा सके।

(च) और (छ) के०आई०ओ०सी०एल० द्वारा मैसर्स ए०बी०एफ०एस०एल० में किये गये निवेश की सूचना प्रतिभूति एवं बैंकिंग कारोबार में अनियमितताओं की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के लिये अक्तूबर, 1992 में वित्त मंत्रालय को भी दे दी गई थी।

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड मुख्य सुधारों के लिये तैयार

4552. **श्री राम जेठमलानी :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 21 मई, 1993 के फाइनेंशियल एक्सप्रैस में "सेल सैट फार मेजर, ओवरहाल" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इसके वर्तमान प्रबंधन में बड़े पैमाने पर परिवर्तन करने का निर्णय किया है ;

(ग) यदि उपरोक्त भाग (ख) का उत्तर "हां" हो तो, क्या प्रस्तावित परिवर्तन में इसके मुख्य कार्यालय को उत्पादक एककों के निकट स्थानांतरित करने संबंधी निर्णय भी लिया गया है जिससे निसंदेह प्रभावी निगरानी में गहनता होने के साथ-साथ अन्य खर्चों में भी कमी होगी;

(घ) यदि नहीं, तो ऐसा निर्णय न लेने के क्या कारण हैं ; और

(ङ) सरकार द्वारा अब तक लिये गये निर्णयों के परिणामस्वरूप इस कम्पनी को कुल कितनी वार्षिक बचत होने का अनुमान है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) जी, हां।

(ख) जी, नहीं। तथापि, संगठनात्मक आवश्यकता तथा आंतरिक और बाह्य वातावरण पर निर्भरता के अनुसार स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा पृथक-पृथक की प्रबंधकीय आवश्यकता तथा उपयुक्तता के अनुरूप समय-समय पर कुछ परिवर्तन किये गये हैं।

(ग) जी, नहीं।

(घ) 'सेल' के इस्पात संयंत्र और इकाइयां संपूर्ण देश में फैली हुई हैं और निगमित मुख्यालय की किसी विशेष इकाई/संयंत्र के समीप स्थानांतरित करने से कोई विशेष लाभ नहीं होगा।

(ङ) प्रबंधन में परिवर्तनों को सीधे मुनाफे से जोड़ना संभव नहीं है। वर्ष 1989–90 से उत्पादकता और लाभ के साथ 'सेल' के कार्य निष्पादन में वृद्धि की प्रवृत्ति में समग्र रूप से सुधार हुआ है।

Production of silver sheets by Salem Steel Plant

4553. SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN:
SHRI J. S. RAJU:

Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) why it is that Salem Steel Plant is producing Ever Silver sheets only and not pacca steel manufacturing plant; and

(b) what are the hinderance in the way of converting Salem Steel rolling mills into Steel producing plant?